

## BUREAU OF INDIAN STANDARDS

*For immediate release*

Press Note No: PRD/Press Note/18/2017-18

18<sup>th</sup> October 2017

### BIS organizes seminar on “Innovations in the Standards of LPG and Bio-gas Stove Equipments”

Bureau of Indian Standards (BIS) organized an interactive seminar on "Need for inclusion of innovations in the Standards of LPG and Bio-gas Stove Equipments" in New Delhi. The seminar was attended by over 56 participants from various stake-holders such as Gas – Stove manufacturers, Gas Water Heater manufacturers, Bio-Cook Stove Manufacturers, testing agencies, BIS licensees, officers of BIS.

Shri R. K. Mittal DDG (Standardization) while welcoming the dignitaries and participants briefed about the utility of Standards for common man. He emphasized on a proactive approach to standardization as various government programs started by our Honorable Prime Minister for the betterment of the poor and disadvantaged like “Pradhan Mantri Ujjwala Yojana (PMUY)” under ministry of Petroleum and Natural Gas, “National Biomass Cookstoves Programme” under ministry of Ministry of New and Renewable Resources (MNRE) come under the scope of this committee.

Shri A K Bera, General Manager, LPG Equipment Research Center (LERC), Bangalore in his inaugural address emphasized on the need for more interaction between industry representative and BIS. He also appreciated the efforts of BIS for organising the seminar.

In the Technical session a presentation was given on “Failure Analysis of LPG Stoves & Vendor Rating of LPG Stove Manufacturing Units” in which the areas of improvement in stove manufacturing through adoption of good manufacturing practices like Lean Manufacturing Practises, Poka-yoke, and Kaizen were suggested. It was encouraged that the members work on increasing the efficiency of Domestic and Commercial Gas Burning Appliances.

During the seminar, speakers emphasized on the need to increase awareness about National and International Standardization activity by all stake holders to help them in the era of increased globalization and emphasized the need for use of Standards for improving the efficiency of the Gas equipments and thereby reducing the energy consumption. Further, participants were informed about the standards which are under revision. Various queries of the participants were replied satisfactorily during open house discussions.

Alka  
Deputy Director, PR  
23234048

## भारतीय मानक ब्यूरो

तत्काल जारी करने हेतु

प्रेस नोट सं: पीआरडी/प्रेस नोट/18/2017-18

18 अक्टूबर 2017

### बीआईएस की “एलपीजी और जैव गैस उपस्करों के मानकों में नवीनता की आवश्यकता” पर संगोष्ठी

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के द्वारा हाल ही में “एलपीजी और जैव गैस उपस्करों के मानकों में नवीनता की आवश्यकता” पर नई दिल्ली में एक इंटरैक्टिव संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में गैस-स्टोव निर्माता, गैस वाटर हीटर निर्माता, बायो-कुक स्टोव निर्माता, परीक्षण एजेंसी, बीआईएस लाइसेंसी, बीआईएस के अधिकारी आदि जैसे 56 से ज्यादा स्टेकहोल्डर उपस्थित हुए।

श्री आर.के. मित्तल, उपमहानिदेशक (मानकीकरण), बीआईएसने आम आदमी के लिए मानकों की उपयोगिता के बारे में बताया। उन्होंने मानकीकरण के प्रति सक्रिय उपागमों पर बल दिया जैसा कि हमारे माननीय प्रधान मंत्री द्वारा गरीबों तथा अभावग्रस्तों के लिए चलाई जा रही सरकारी योजनाओं जैसे “प्रधानमंत्री उज्जवला योजना (पीएमयूवाई)” जो कि पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत आती है, “राष्ट्रीय बायोमास कुक स्टोव कार्यक्रम” जो कि अक्षय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) के अंतर्गत आता है, इस समिति के कार्यक्षेत्र में आते हैं।

श्री ए.के. बेरा, महाप्रबंधक, एलपीजी उपस्कर अनुसंधान केंद्र (एलईआरसी), बंगलुरु ने अपने उद्घाटन अभिभाषण में बताया कि गैस बर्निंग उपकरणों पर भारतीय मानकों के विकास का संवर्धन करने के लिए मानकीकरण गतिविधियों के बारे में चर्चा करने के लिए यह एक अच्छा मंच है। उन्होंने संगोष्ठी का आयोजन करने के लिए बीआईएस के प्रयासों की प्रशंसा भी की।

तकनीकी सत्र में “एलपीजी स्टोव की विफलता के विश्लेषण और एलपीजी स्टोव विनिर्माण इकाइयों की वेन्डर रेटिंग” पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। इसमें बेहतर विनिर्माण प्रथाओं जैसे लीन विनिर्माण रीतियाँ, पोका-योक तथा कायजन जैसी अच्छी विनिर्माण रीतियों को अपनाने के माध्यम से स्टोव विनिर्माण के क्षेत्र में सुधार सुझाव दिए गए। घरेलू तथा व्यावसायिक गैस बर्निंग उपकरणों की दक्षता बढ़ाने पर कार्य करने के लिए सदस्यों को प्रोत्साहित किया गया।

संगोष्ठी के दौरान, वक्ताओं ने सभी स्टेकहोल्डरों द्वारा राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण गतिविधि के बारे में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि यह व्यापक वैश्वीकरण के युग में उनकी सहायक हो सके और गैस उपस्करों की दक्षता सुधारने के लिए मानकों की आवश्यकता पर बल दिया तथा इसके फलस्वरूप ऊर्जा खपत कम की जा सके। आगे, प्रतिभागियों को पुनरीक्षणाधीन मानकों की जानकारी दी गई। खुली सभा के दौरान प्रतिभागियों के अनेक प्रश्नों के उत्तर संतोषजनक रूप में दिए गए।

अलका

उपनिदेशक, जनसंपर्क

23234048



भारतीय मानक ब्यूरो

BUREAU OF INDIAN STANDARDS

"एलपीजी और जैव गैस उपकरणों के मानकों में नवीनता की आवश्यकता  
NEED FOR INCLUSION OF INNOVATIONS IN THE  
STANDARDS OF LPG AND BIO-GAS STOVE EQUIPMENTS"

शुक्रवार, 06 अक्टूबर 2017

Friday, 06 October 2017

स्थान : मानक भवन, शाही जफ्त मार्ग, नई दिल्ली 110002  
Venue : Manak Bhavan, Shahi Jafat Marg, New Delhi 110002